



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 162।
No. 162।

नई दिल्ली, शनिवार, जून 11, 2005/ज्येष्ठ 21, 1927
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 11, 2005/JYAIKTHA 21, 1927

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

नियम

नई दिल्ली, 11 जून, 2005

सं. 11013/1/2005-आई.एस.एस.—निम्नलिखित सेवाओं के ग्रेड-4 में रिक्तियों को भरने के लिए 2005 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा, की नियमावली वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

(1) भारतीय आर्थिक सेवा

(2) भारतीय सांख्यिकी सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नेटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी श्रेणियों और शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिषिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. कोई भी उम्मीदवार नियमों के अनुसार पात्र होने पर केवल एक सेवा अर्थात् भारतीय आर्थिक सेवा अथवा भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए प्रतियोगी हो सकता है। आयोग द्वारा प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग परिणाम घोषित किया जाएगा।

5. उम्मीदवार को या तो :—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों, कीनिया, उंगाड़ा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जांबिया, मालावी, जेरे तथा इथोपिया या वियतनाम से प्रवजन कर आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य हों उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है, किन्तु भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही उसको नियुक्ति प्रस्ताव भेजा जा सकता है।

6. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 2005 को 21 वर्ष की होनी चाहिए किन्तु 30 वर्ष की नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1975 से पहले और 1 जनवरी, 1984 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

- (2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आंकड़ा को पाने के लिए पात्र हैं;
- (3) ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (4) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 2005 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2005 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों, आपातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जनवरी, 2005 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (7) नेत्रहीन, मूक-बघिर तथा शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष।

टिप्पणी 1 :—अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 6(ख) के किन्हीं अन्य खंडों, अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले नेत्रहीन, मूक-बघिर और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की श्रेणी के अन्तर्गत आते हों, दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत दी जाने वाली संचयी आयु सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी 2:—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभासित किया जाता है।

टिप्पणी 3 :—आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 6(ख), (5) तथा (6) के अधीन आयु सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 4 :—उपर्युक्त नियम 6(ख) (7) के अन्तर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवार को नियुक्ति हेतु पात्रता पर भी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों को आवंटित संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शंपथ पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुच्छेद के इस भाग में आए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा” प्रमाण पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1 :—उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 :—उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने के और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा में प्रवेश हेतु भारतीय आर्थिक सेवा के लिए उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अथवा समय-समय पर मान्यताप्राप्त किसी विदेशी विश्वविद्यालय की अर्थशास्त्र/प्रायोगिक अर्थशास्त्र/व्यावसायिक

अर्थशास्त्र/अर्थशास्त्र सांखिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांखिकी सेवा के लिए उम्मीदवार के पास सांखिकी/गणितीय सांखिकी/प्रयोगिक सांखिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 : — यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की वह अनुमति अनित्य मानी जाएगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 : — विशेष परिस्थितियों में संबंधित सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बश्यते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के भवतानुसार ऐसा होकि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 : — जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ही किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है तथा जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और इसे आयोग की परीक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों की आयोग के नोटिस में निर्धारित फीस अवश्यक देनी होगी।

9. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैं सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैं सियत से काम कर रहे हैं, अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवर्तन (अन्वर्टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रेक्ते हुए कोई पत्र भिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है।

10. किसी उम्मीदवार का आवेदन स्वीकार करने और परीक्षा में प्रवेश के लिए उसकी योग्यता या अयोग्यता के संबंध में आयोग का निर्णय अनित्य होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार या सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग में उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनका प्रवेश पूर्णतः

अनन्तिम होगा, तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तें को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षा के बहले वा बाद में सत्यापन करने पर वह पता चलता है कि वह पात्रता की किन्हीं शर्तें को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छादम रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख दिए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या छूटे वकाल्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनिवार्यता, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साथनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तकाओं में असंगत वार्ते लिखी हों, जो अस्तील भाव में या अभूत आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) परीक्षा के दौरान कोई सेल्फूलर/सोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास रखे पाया गया हो, अथवा
- (12) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विवरक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (13) उपरोक्त खण्डों में डिलिखित ऐसी सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवधिरेत्र करने का प्रयास किया हो तो उस पर आपराधिक अधियोग (क्रिमिनल प्रोसेस्यूलन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि

के लिए—

- (1) आयोग द्वारा जी लाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है,

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार प्रत्येक सेवा के लिए लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

14(1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अन्तिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से प्रत्येक सेवा के लिए उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर उनकी अनुशंसा की जा सकती है बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जिन उम्मीदवारों की अनुशंसा आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में अर्हता या चयन मापदण्डों में रियायत/छूट दिए बिना की

जाती है, उनका समायोजन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

15. शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों हेतु आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें परीक्षा के सभी स्तरों पर आयोग के विवेकानुसार निर्धारित अर्हता स्तर में छूट दी जाएगी। तथापि यदि शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवार का आयोग द्वारा सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी वर्गों के उम्मीदवारों हेतु निर्धारित स्तर पर अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता पर चयन होता है तो आयोग द्वारा रियायती स्तर पर अतिरिक्त शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक की अनुशंसा नहीं की जाएगी।

16. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किसी रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा तथा आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से प्रक्षेपण नहीं करेगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इन सेवाओं में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाता है कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा भाग-I कराई जाएगी। तथा इस परीक्षा के आधार पर अन्तिम रूप से सफल घोषित किए जाने पर चिकित्सा परीक्षा भाग-II कराई जाएगी। भाग-I तथा भाग-II के चिकित्सा परीक्षा विवरण इन नियमावली के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। उम्मीदवार को अपीलीय मामले के अलावा चिकित्सा परीक्षा के लिए चिकित्सा बोर्ड का कोई शुल्क नहीं देना होगा।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किसी प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, उसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व निकलाए हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को सेवा की आवश्यकता के अनुरूप डॉक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

19. शारीरिक रूप से अक्षम-व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए उनकी अक्षमता चालीस प्रतिशत (40%) या उससे अधिक होनी चाहिए। तथापि ऐसे उम्मीदवारों से निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं/क्षमताओं में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो, पूरी करने की अपेक्षा की जाएगी।

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एफ (F)	1. हस्तकौशल (अंगुलियों में) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य।
पी पी (PP)	2. खाँच कर तथा उसके द्वारा किए जाने वाले कार्य।
एल (L)	3. उठाकर किए जाने वाले कार्य
के सी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा काउंचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य।
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य।
एस (S)	6. बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य।
एस टी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य।
एस ई (SE)	9. देखकर किए जाने वाले कार्य।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य।

संबंधित सेवा की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा :—

कार्यात्मक वर्गीकरण

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं।
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब-क, दुर्बल पहुंच
	ख. प्रकड़ की दुर्बलता
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब।
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दाया या बाया)—
	क. दुर्बल पहुंच
	ख. प्रकड़ की दुर्बलता
	ग. ऐटेक्सिक
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाई या बाई)-वही-
बी एच बी (BH)	6. सख्त पीठ तथा कूलहे (बैठ या झुक नहीं सकते।)
एम डब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनक्षमिता।
	8. नेत्रहीन।
बी B)	9. आंशिक नेत्रहीन।
पी बी (PB)	10. बधिर।
डी (D)	11. आंशिक बधिर।
पी डी (PD)	

20. जिस व्यक्ति ने,—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया हो, या जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

21. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

अ. कु. सक्सेना, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट-1

परीक्षा की योजना

खण्ड-1

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग 1—के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, पूर्णांक 1000 होंगे।

भाग 2—आयोग द्वारा जिस उम्मीदवार को बुलाया जाता है उनके लिए मौखिक परीक्षा जिसके पूर्णांक 200 होंगे।

भाग-1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

(क) भारतीय आर्थिक सेवा

क्रम	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
संख्या		अंक	समय
1	2	3	4
1.	सामान्य अंग्रेजी	100	3 घण्टे
2.	सामान्य अध्ययन	100	3 घण्टे
3.	सामान्य अर्थ शास्त्र-I	200	3 घण्टे
4.	सामान्य अर्थ शास्त्र-II	200	3 घण्टे
5.	सामान्य अर्थ शास्त्र-III	200	3 घण्टे
6.	भारतीय अर्थ शास्त्र	200	3 घण्टे

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1.	सामान्य अंग्रेजी	100	3 घण्टे
2.	सामान्य अध्ययन	100	3 घण्टे
3.	सांख्यिकी-I	200	3 घण्टे
4.	सांख्यिकी-II	200	3 घण्टे
5.	सांख्यिकी-III	200	3 घण्टे
6.	सांख्यिकी-IV	200	3 घण्टे

नोट:—परीक्षा के लिए निर्धारित स्तर समय पाठ्यक्रम का विवरण नीचे खण्ड-2 में दिया गया है।

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्र परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के होंगे।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर, अंग्रेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के लिए एक या सभी विषयों के अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यञ्जना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न पत्रों में यथा आवश्यक एस. आई. इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।

10. उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग की परंपरागत (निबंध) शैली के प्रश्न पत्रों के लिए साइंटिफिक (नान प्रोग्रामेबल) प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग करने की अनुमति है। यद्यपि प्रोग्रामेबल प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग उम्मीदवार द्वारा अनुचित साधन अपनाया जाना माना जाएगा। परीक्षा भवन में कैलकुलेटरों को मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

भाग—2

मौखिक परीक्षा—उम्मीदवार का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीय जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य उक्त सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता जांचनी होगी। साक्षात्कार उम्मीदवार की सामान्य तथा विशिष्ट ज्ञान के परीक्षण तथा क्षमता को जांचने के लिए लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उसके चारों ओर अपने राज्य या देश की भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें जिसके प्रति एक मुश्किल व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु, स्नाभाविक निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, उद्देश्य, उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूलांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

खण्ड—2

परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांत को तथ्य के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धांत की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं के विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे उनके अंग्रेजी भाषा का ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके। संक्षेपण अथवा सारलेखन के लिए सामान्यतः गद्यांश दिए जाएंगे।

सामान्य अध्ययन

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा दैनिक अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसमें किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन किया हो। इस प्रश्न-पत्र में देश की राजनीतिक प्रणाली सहित भारतीय राज्य व्यवस्था और भारत का संविधान, भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

सामान्य अर्थशास्त्र-1

1. **उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत :** मूलाधार उपभोक्ता विश्लेषण, अनधिमान वक्र, विश्लेषण-आय एवं स्थानापन्न प्रभाव, स्लूटस्की प्रमेय, श्रुत अधिमान उपागम।

2. **उत्पादक के सिद्धांत :** उत्पादन के कारण-उत्पादन फलन, उत्पादन फलन के रूप: कांब-उगलास, स्थिर लोच स्थानापन्नता (सी.ई.एस.) तथा नियम गुणांक प्ररूप-प्रतिफल के नियम-अनुमाप प्रतिफल तथा कारक संबंधी प्रतिफल-आंशिक संतुलन बनाम सामान्य संतुलन उपागम-प्रतिष्ठान (फर्म) तथा उद्योग का संतुलन।

3. **मूल्य के सिद्धांत :** विभिन्न बाजार व्यवस्थाओं (जैसे पूर्ण स्पर्धा, एकाधिकार, एकाधिकार स्पर्धा तथा अल्पाधिकार) के अन्तर्गत कीमत निर्धारण। लोकोपयोगी कीमत निर्धारण-सीमांत लागत कीमत निर्धारण, चरम भार कीमत निर्धारण।

4. **वितरण के सिद्धांत :** रिकार्ड, मार्क्स, केलेकी, कॉल्डोर के समष्टि वितरण सिद्धांत-नव-क्लासिकी उपागम : कारकों की कीमत निर्धारण के लिए सीमांत उपयोगिता।

सिद्धांत— कारकों का योगदान तथा उनके समूहन की समस्या—ऑयलर-प्रमेय अपूर्ण स्पर्धा के अन्तर्गत कारकों का मूल्य निर्धारण।

5. **कल्याणमूलक अर्थशास्त्र—अंतर्वैयक्तिक तुलना तथा समूहन की समस्या सामाजिक तथा वैयक्तिक कल्याण के बीच अपसरण प्रतिपूर्ति सिद्धांत, पैरेटो को इष्टतमवाद, सामाजिक वरेणा तथा कोर्स, सेन सहित अन्य विचार धाराएं।**

6. राष्ट्रीय आय तथा सामाजिक लेखाकरण की अवधारणा : राष्ट्रीय आय निर्धारण—सरकारी क्षेत्रक तथा अन्तर्राष्ट्रीय लेन-देन पर आधारित तीन प्रचालित मापों के अंतःसंबंध। आर्थिक कल्याण का काप-सामाजिक-आर्थिक संकेतक उपागम : पी.क्यू.एल.आई. तथा मानव-विकास सूचकांक।

7. रोजगार, उत्पादन यथा मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त—क्लासिकी एवं नव-क्वासिकी उपागम—कीन्स का रोजगार सिद्धान्त—कीन्सोत्तर विकास—स्फीति अन्तर—मांग-उत्प्रेरित बनाम लागत जन्य स्फीति—फिलिप वक्र तथा उसके नीतिगत निहितार्थ।

8. अर्थशास्त्र में गणितीय पद्धतियाँ : व्युत्पत्ति—व्युत्पत्ति के मूलभूत नियम तथा आर्थिक प्रकार्य में इनका अनुप्रयोग—इष्टतमीकरण (अवधारण)—आव्यूह (मैट्रिसेज) तथा अर्थशास्त्र में उनका अनुप्रयोग, निवेश-उत्पादन निर्दर्श (अवधारण), रैखिक प्रोग्रामन तथा उसका अनुप्रयोग।

सामान्य अर्थशास्त्र-II

1. आर्थिक वृद्धि एवं विकास की अवधारण तथा उनका मापनअल्प विकसित देशों की विशेषताएं तथा उनके विकास के अवरोध—आर्थिक विकास, गरीबी तथा आय वितरण-वृद्धि के सिद्धान्तः क्लासिकी उपागमः एडम स्मिथ, मार्क्स, शुम्पिटर-नव-क्लासिक उपागमः रॉबिन्सन, सोली, कॉस्टोर, हैरोड-डोमर-आर्थिक विकास के सिद्धान्त रोस्ट्रॉब, रोसेंट्निन-रोडेन, मर्क्स, हश्चमन, लेवैत्स्टिन-एवं आर्थर लेविस, एमिन एवं फैंकं (आश्रित विचारधारा), राज्य तथा बाजार की अपनी-अपनी भूमिकाएं।

2. अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा अभिलाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त रिकार्डों, हवलैर, हेक्सचर-ओहलिन तथा स्टॉपलर सेमुअलसन प्रशुल्क के सिद्धान्त-क्षेत्रीय व्यापार प्रबंधन।

3. भुगतान संतुलनः भुगतान संतुलन में विकृति, समावेजन तंत्र, विदेश व्यापार गुणक, विनियम दर आयात एवं विनियम नियंत्रण तथा अनेक दरों पर विनियम।

4. विश्वव्यापी संस्थाएँ : संयुक्त राष्ट्र के अभिकरण, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व व्यापार संगठन, बहुराष्ट्रीय निगम।

5. मुद्रा एवं बैंकिंग : इसके कार्यकलाप एवं महत्व-मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त, नकद लेन-देन उपागम तथा शेष नकदी उपागम, मुद्रा-परिमाण सिद्धान्त की फाइडमन द्वारा पुनर्व्याख्या—मुद्रा नियंत्रण के उपाय—मुद्रा की तटस्थता—मुद्रा गुणक।

6. सांख्यकीय एवं अर्थमितीय विधियाँ : औसत, परिक्षेपण सहसंबंध एवं समाप्त्रयण, काल श्रेणी, सूचकांक, प्रतियन एवं सर्वेक्षण विधियाँ, प्राक्वलपना परीक्षण, सरल अप्राचलिक परीक्षण, विभिन्न रेखिक एवं अरैखिक फ़अनों पर आधारित वक्ररेखन, न्यूनतम वर्ग विधियाँ, अन्य बहुचर विश्लेषण (केवल अवधारणा तथा परिणामों की व्याख्या) : प्रसारण का विश्लेषण (ANOVA) कारक विश्लेषण, मुख्य घटक विश्लेषण, विभेदी विश्लेषण आय वितरण : पैरेटो का वितरण नियम-लघुगणक प्रसामान्य वितरण, आय असमानता का मापन-लॉरेज वक्र तथा जिनी गुणांक।

सामान्य अर्थशास्त्र-III

1. पर्यावरण अर्थशास्त्र : रोम का ब्लब, फाउनक्स रिपोर्ट, स्टॉकहोम तथा रियोर्थ सम्मेलन रिपोर्ट, जैव-विविधता सम्मलेन, क्लौरोफ्लोरो-कार्बन पर सॉन्ट्रियल उपसन्धि, वैश्विक तापन, बहिर्भाव, सार्वजनिक पदार्थ, विभिन्न प्रकार के पर्यावरणीय अपकर्ष का आर्थिक निहितार्थ—वायु, ध्वनि एवं जल प्रदूषण तथा अनवीकरणीय संस्थानों का निःशेषण, संसाधनों का लेखा-जोखा, जैव सम्पत्ति और सकल घेरलू उत्पाद निर्धारण एवं धारणीय विकास के संदर्भ में इसका ह्वास अथवा उत्कर्ष; उपाय-व्यवस्थापन, कराधान, बाजार-आधारित समाधान, जैसे निजीकरण एवं प्रदूषण अनुमति-पत्र।

2. नगरीकरण एवं अभिगमन-लेक्सिस, ट्रोडरो; अनौपचारिक क्षेत्र, नगरीय श्रमिक बाजार, नगरों में निर्धनता।

3. परियोजना मूल्यांकन : परियोजना चयन के लिए मानदंड, आन्तरिक प्रतिफल दर, शुद्ध वर्तमान मूल्य तथा लाभ-लागत अनुपात बट्टा की सामाजिक दर-पूँजी, अकुशल श्रमिक तथा विदेशीय के आधासी मूल्य। भारत में परियोजना मूल्यांकन प्रणालियाँ।

4. वित्तीय एवं पूँजी बाजार : वित्तीय साधन एवं आर्थिक विकास-वित्तीय बाजार—वित्तीय बाजार—स्टाक बाजार—गिल्ट बाजार—विदेश विनियम बाजार—बैंकिंग एवं बीमा।

5. राजकोषीय नीति एवं उसका उद्देश्य : राजकोषीय नीति की सीमाएं—कराधान एवं व्यय के सिद्धान्त-सार्वजनिक व्यय के उद्देश्य एवं प्रभाव—कराधान का करदाताओं पर भार एवं प्रभाव—घाटे की वित्त व्यवस्था—सार्वजनिक ऋण के सिद्धान्त ऋण प्रबन्धन ऋण के साथ वित्तीय एवं राजकोषीय नीति की पुरकतः।

6. राज्य, बाजार एवं नियोजन : योजना की अवधारणा और उसके रूप—विकासशील अर्थव्यवस्था में योजना का औचित्य—नियोजन की सीमाएं, निगमन की अर्थव्यवस्था, विकेन्द्रित योजना पद्धति।

भारतीय अर्थशास्त्र

1. विकास एवं योजना का इतिहास—वैकल्पिक विकास नीतियाँ—आयात स्थानापति पर आधारित आत्मनिर्भरता का उद्देश्य और स्थिरीकरण एवं संरचनात्मक समायोजन—संवेष्टन पर आधारित 1991 के बाद की वेष्वीकरण नीतियाँ।

(क) विकेन्द्रित आयोजन-1 : पंचायत का अनुभव—संवैधानिक दायित्व, बलवन्त राय मेहता समिति, अशोक मेहता समिति तथा अन्य विवरणिकाएं, संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधनों का वित्तीय पक्ष।

(ख) संघ राज्य के वित्तीय संबंध : राज्यों के वित्तीय एवं राजकोषीय अधिकारों के सम्बन्ध में संवैधानिक प्रावधान, सरकारिया समिति की विवरणिका का वित्तीय पक्ष, वित्त आयोग और राजस्व में भागीदारी के विषय में उनके सूत्र।

3. योजना-काल में निर्धनता, बेरोजगारी तथा मानव-विकास—सरकारी कार्यान्वयन का मूल्यांकन—विश्व के परिप्रेर्ष्य में भारत का मानव संसाधन विकास।

4. कृषि तथा ग्रामीण विकास : प्रौद्योगिकी एवं संस्थान सम्बन्धी नीतियों सहित सभी रणनीतियां : भूमि सम्बन्ध तथा भूमि सुधार-ग्रामीण ऋण, कृषि निविष्टियां तथा विपणन मूल्य नीति तथा उपदान-वाणिज्यीकरण तथा विशाखन। निर्धनता प्रश्नमन कार्यक्रम सहित सभी ग्रामीण विकास कार्यक्रम : सामाजिक एवं आर्थिक आधारिक संरचना का विकास।

5. नगरीकरण एवं प्रबंधन के सम्बन्ध में भारत का अनुभव—प्रवसन के विभिन्न प्रकार और उद्भव तथा लक्ष्य स्थानों की अर्थ-व्यवस्था पर उनका प्रभाव, नगरीय अधिवास की विकास प्रक्रिया : नगरीय नीतियां

6. उद्योग : औद्योगिक विकास की रणनीति : औद्योगिक नीति में सुधार; लघु उद्योगों के लिए आरक्षण नीति। उद्योगों के लिए वित्त स्रोत—बैंक, शेयर बाजार, बीमा कंपनियां, पेंशन विधियां, बैंकेतर स्रोत तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश; प्रत्यक्ष एवं सूचीगत निवेश में विदेशी पूँजी की भूमिका। सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार, निजीकरण तथा विनिवेश।

7. श्रम : रोजगार, बेरोजगारी तथा आंशिक रोजगार—औद्योगिक सम्बन्ध तथा श्रम कल्याण—रोजगार संवर्धन के लिए रणनीति—नगरीय श्रम बाजार तथा अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार; राष्ट्रीय श्रम आयोग की विवरणी; श्रम संबंधी सामाजिक मुद्दे, जैसे बाल-श्रम बंधुआ मजदूर।

8. विदेश व्यापार : भारत के विदेश व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—व्यापार की संरचना, दिशा तथा व्यवस्था व्यापार नीति सम्बन्धी अभिनय परिवर्तन; भुगतान संतुलन, प्रशुल्क (टैरिफ) नीति, विनिमय पर तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की अपेक्षाएं।

9. मुद्रा तथा बैंकिंग : भारतीय मुद्रा बाजार की व्यापार संरचना जिज्ञव बैंक, वाणिज्यक बैंकों, विकास वित्तपोषण संस्थाओं, जैसे तथा बैंकेतर वित्तीय संस्थाओं की बदलती भूमिकाएं।

10. बजट निर्माण तथा मौद्रिक नीति : कर, व्यय बजटीय आदा, ऋण राजकोपीय सुधार। भारत में कालाधन तथा समानान्तर अर्थतंत्र—परिभाषा, आकलन, उत्पत्ति, परिणाम तथा उपचार के उपाय।

सांख्यिकी—I

(i) प्रायिकता

माप सिद्धान्त के तत्व/प्रसिद्ध परिभाषाएं एवं अभिगृहीती दृष्टिकोण/प्रतिदर्श समष्टि अनुवृत्तों के वर्ग एवं प्रायिकता माप/पूर्ण एवं मिश्र प्रायिकता के नियम n अनुवृत्तों में से m अनुवृत्त की प्रायिकता। सप्रतिबंधित प्रायिकता। केज प्रमेय। यादृच्छिक चर—असंतत एवं संतत। बंटन फलन। मानक प्रायिकता बंटन—बर्नूली, एक समान, द्विपद, यासों ज्यामितिक आवाताकार, चरघातांकी, प्रसामान्य, कौशी, पराज्यामितिक, बहुपदी लास्लास, नाकारात्मक द्विपद, बीटा गामा लघुगणक प्रसामान्य एवं मिश्र यासों बंटन। संयुक्त बंटन, सप्रतिबंध बंटन यादृच्छिक चरों को बंटन फलन। बंटन में वितरण प्रायिकता में एक प्रायिकता के साथ तथा वर्ग माध्य में अभिरसण/आधूर्ण एवं संचयी। गणितीय प्रत्याशा एवं सप्रतिबंधन प्रत्याशा। अभिलक्षण—फलन एवं आधूर्ण तथा प्रायिकता जनक फलन। प्रतिलोमन, अद्वितीयता तथा सांतत्य प्रमेय। बोरल 0-1 नियम; कॉल्मोगोरोव 0-1 नियम/शेवीशेफ एवं कॉल्मोगोरोव की असमिका। स्वतंत्र चर के लिए वृहत संख्याओं का नियम तथा केन्द्रीय सीमा प्रमेय। सप्रतिबंध प्रत्याशा एवं मार्टिंगेल।

(ii) सांख्यिकी विधि

(क) आंकड़ों को संग्रह, संकलन एवं प्रस्तुतीकरण संचित्र आरेख एवं आयत चित्र। बारंबारता बंटन। अवस्थित प्रकार्णन/परक्षेपण, वैपत्त्य एवं ककुदता की माप। द्विचर एवं बहुचर आंकड़े। साहचर्य एवं आसंग। बक्र आसंजन एवं लंब-कोणीय बहुपद। द्विचर प्रसामान्य बंटन। समश्रियण-रैखिक बहुपद। सहसंबंध गुणांक आंशिक एवं बहु सहसंबंध अंतर्वर्ग सहसंबंध सहसंबंधनुपात का बंटन।

(ख) मानक त्रुटि एवं बहुत प्रतिदर्श परीक्षण—X, S², t का ची वर्ग तथा F: का प्रतिचयन बंटन, इन पर आधारित महत्व का परीक्षण। लघु प्रतिदर्श परीक्षण।

(ग) अप्रचलिक परीक्षण—समंजन सुष्ठुता, साईन माध्यिमा, इन विल्काक्सन, मान—विटनी, बाल्ड बुल्फोविट्स एवं काल्मोगोरोव—स्मिरनोव। कोटिक्रम सांख्यिकी—न्यूनतम, अधिकतम, परास एवं माध्यिका। उपगामी आपेक्षिक दक्षता की अवधारण।

(iii) संख्यात्मक विश्लेषण

अंतर्वेशन सूत्र (अवशेषण पदों के साथ) लग्नांज के कारण न्यूटन-ग्रेगोरी, न्यूटन का विभाजित अंतर गाउड एवं स्टरलिंग ऑयलर-मैकलारिन संकलन सूत्र। प्रतिलोम अंतर्वेशन। संख्यात्मक समाकलन एवं अवकलन। प्रथम कोटि के अंतर समीकरण। नियत गुणांक के साथ रैखिक अंतर समीकरण।

सांख्यिकी—II

(i) रैखिक निर्दर्श

रैखिक आकलन के सिद्धान्त। गाउड-मार्कोव (सैट अप) प्रेक्षस्थल। निम्नतम वर्ग आकलन। g-प्रतिलोम का उपयोग। एकथा एवं द्विथा वार्गिक आंकड़ों का विश्लेषण-नियत, मिश्र एवं यादृच्छिक प्रभाव निर्दर्श। समीक्षण गुणांक का परीक्षण।

(ii) आकलन

अच्छे आकलन के लक्षण। अधिकतम संभाविता निम्नतम काई-वर्ग आधूर्ण एवं न्यूनतम वर्ग की आकलन विधि। अधिकतम संभाविता आकलक के इष्टतम गुणधर्म। निम्नतम प्रसरण अनभिन्न आकलक। निम्नतम प्रसरण परिवद्ध आकलक क्रामर-राव असमिका। भट्टाचार्या परिवद्ध। पर्याप्त आकलक। गुणनखंडन प्रमेय। पूर्ण सांख्यिकी। राव-ब्लैकवेल प्रमेय विश्वास्यता अंतराल आकलन। इष्टतम विश्वास्यता परिवद्ध पुर्नप्रतिदर्श, स्वोत्थानी एवं जैकनाईफ।

(iii) परिकल्पना परीक्षण एवं सांख्यिकीय गुणता-नियंत्रण

(क) परिकल्पना परीक्षण: सरल एवं मिश्र परिकल्पना दो प्रकार की त्रुटि। क्रांतिक लोग। विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र एवं समरूप क्षेत्र। क्षमता फलन। शक्ततम एवं एक समान शक्ततम परीक्षण। नेमेन-नियर्सन मूल लेमा। अनभिन्न परीक्षण यादृच्छीकृत परीक्षण। संभाविता अनुपात परीक्षण ब्लैक्सैट, एस पी आर टी, ओ सी एवं एस एन फलन। निर्णयिक अवयव एवं लेख सिद्धान्त।

(ख) सांख्यिकीय गुणता नियंत्रण—चरों तथा गुण नियंत्रण संचित्र। गुण द्वारा स्वीकरण प्रतिचयन—एकल ट्रिशी बहु तथा अनुक्रमिक प्रतिचयन आयोजना ए ओ ब्लू एल एवं ए टी आई की अवधारणा पर द्वारा प्रतिचयन स्वीकरण हॉज-रोमिन तथा अन्य टेबुलों का उपयोग।

(iv) बहुचर विश्लेषण

बहुचर प्रसामान्य बंटन। सदिश माध्य तथा सहप्रसारण आव्यूह का आकलन। होटलिंगका टी² सांख्यिकी का वितरण। महालानोथिस का डी² सांख्यिकी तथा परीक्षण में उनका उपयोग। बहुचर प्रसामान्य जनसंख्या से प्रतिदर्श में अंशिक एवं बहुसहस्रबंध गुणांक। विशार्ट बंटन, इनके पुनरुत्पादन एवं अन्य गुणधर्म। विलक्षण निकर्ष। विविक्त कर फलन। मुख्य घटक। विहित विचर एवं सहसंबंध।

सांख्यिकी—III

(i) प्रतिचयन तकनीक

जनगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण। मार्गदर्शी एवं वृहत् परिणाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण। एन एस एस संगठन की भूमिका प्रतिस्थापन युक्त एवं बिना प्रतिस्थापन के सरल यादूच्छिक प्रतिचयन स्तरित प्रतिचयन एवं प्रतिदर्श नियतन। लागत एवं प्रसरण फलन। आकलन की अनुपात एवं समाश्रयण विधि। प्रतिचयन के साथ प्रयिकता समानुपात के आकार। गुच्छ, दिव्यी, बहुचरणी, बहुस्तरीय एवं क्रमबद्ध प्रतिचयन। परस्परवैधी उपप्रतिचयन। अप्रतिचयन त्रुटि।

(ii) प्रयोग की अभिकल्पना एवं विश्लेषण

प्रयोग की अभिकल्पना के सिद्धांत। पूर्णतया यादूच्छिकीकृत, यादूच्छिकीकृत खंडक लैटिन वर्ग अभिकल्पना का विन्यास एवं विश्लेषण। 2nd तथा 3rd प्रयोग में बहुउपादानी प्रयोग तथा संयोजन। विभक्त क्षेत्रक एवं पट्टी क्षेत्रक अभिकल्पना। संतुलित तथा अंशिक संतुलित अपूर्ण खंडक अभिकल्पना की रचना एवं विश्लेषण। सहप्रसरण विश्लेषण। अस्वतंत्र आंकड़ों का विश्लेषण। अप्राप्त एवं सविकल्प क्षेत्रक आंकड़ों का विश्लेषण।

(iii) आर्थिक सांख्यिकी

कालश्रेणी के धटक। उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरांतर विधि। युल-स्लूत्स्की प्रभाव। सहसंबंध चिह्न। प्रथम तथा द्वितीय कोटि का स्वसमाश्रयी प्रतिरूप। आवर्तिता वक्र विश्लेषण। मूल्य तथा मात्रा के लिए सूचकांक एवं उनके आपेक्षिक गुण। थोक तथ उपभोक्ता मूल्य के लिए सूचकांक की रचना। आय वितरण—पैरेटो एवं ऐनल वक्र। संकेन्द्रण वक्र। राष्ट्रीय आय के आकलन की विधि। अंतरात्रिज्यखंडी प्रवाह। अंतरा औद्योगिक टेबुल। सी एस ओ की भूमिका।

(iv) अर्थमिति

उपभोक्ता मांग के सिद्धांत एवं विश्लेषण-मांग फलन का विनिर्देशन एवं आकलन। मांग लोच (प्रथास्थाता)। संरचना एवं प्रतिरूप। एकल समीकरण प्रतिरूप में प्राचल का आकलन—चिरप्रतिष्ठित न्यूनतम वर्ग, व्यापकीकृत न्यूनतम वर्ग, विषम विचालिता, श्रेणीगत सहसंबंध, बहुसंखेता, पर प्रतिरूप में त्रुटि। समकालिक समीकरण प्रतिरूप-पहचान, कोटि एवं अन्य अवस्थाएं। परोक्ष न्यूनतम वर्ग एवं द्वियोचरणी न्यूनतम वर्ग। अल्पकालीन आर्थिक पूर्वानुमान।

सांख्यिकी—IV

(i) प्रसंभाव्य प्रक्रम

प्रसंभाव्य प्रक्रम का विनिर्देश, मार्कोव श्रृंखलाएं, अवस्था वर्गीकरण, सीमांत प्रायिकता, अचर बंटन, यादूच्छिक भमण एवं जुआरी का वित्तनाश समस्या। प्वासों प्रक्रम, जन्म एवं मृत्यु प्रक्रम; पंक्तियों का अनुप्रयोग-M/M/I तथा M/M/C प्रतिरूप। शाखन प्रक्रम।

(ii) संक्रिया विज्ञान

रैखिक प्रोग्रामन के तत्व। प्रसमुच्च्य प्रक्रिया। द्वेत नियम। यातायात एवं नियतन समस्याएं। एकल एवं अहुअवधिमालिका नियंत्रण प्रतिरूप। *ABC विश्लेषण। व्यापक अनुकार समस्या। अपर्याप्त तथा विकृत मद के लिए प्रतिस्थापन प्रतिरूप।

(iii) जनसंख्यिकी एवं जन्म-मरण संख्यिकी

वय सारणी, इसकी रचना एवं गुणधर्म। मेकहेम्स एवं गोमपर्ट वक्र। राष्ट्रीय वय सारणी। UN प्रतिरूप वस सारणी। संक्षिप्त वय सारणी स्थायी एवं स्थावर जनसंख्या। अंतरज जन्म दर। संपूर्ण उर्वरता दर। सकल एवं वास्तविक जन्म दर। अंतरज मृत्यु दर। मानकीकृत मृत्यु दर। आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रब्रजन; वास्तविक प्रब्रजन। अंतराष्ट्रीय एवं जनगणना आकलन। प्रक्षेपण विधि सहित वृद्धिधात वक्र सम्बन्ध। भारत में दशमलव जनसंख्या जनगणना।

(iv) अभिकलित्र अनुप्रयोग एवं आंकड़ा संसाधन

(क) अभिकलित्र अनुप्रयोग

अभिकलित्र तंत्र की अवधारणा: अभिकलित्र प्रणाली के धटक एवं फलन। केन्द्रीय संसाधन एकक मुख्य स्मृति, द्विभक्त, बाईट शब्द निवेश/निर्वास युक्तियाँ, अभिकलित्र तंत्र में वेग एवं स्मृति क्षमताएँ।

प्रक्रिया सामग्री की अवधारणा:—प्रचालन पद्धति का पर्यवलोकन करना, प्रचालन पद्धति के प्रकार एवं फलन/प्रकार्य, अनुप्रयोग प्रक्रिया सामग्री, बहुकार्य निष्पादन के लिए प्रक्रिया सामग्री, बहुक्रमादेशन प्रचय संसाधन विधि, कालभाजन विधि, तंत्र आलंब क्रमादेश की अवधारण शब्द संसाधन एवं स्प्रेहसीटों पर प्रचलित सामग्री संवेष्टन (पेकेज) का पर्यवलोकन।

विशिष्ट क्रमादेश के अनुप्रयोग का पर्यवलोकन:—प्रवाह संचित्र, कलन-विधिक आधार अभिकल्पना के मूल एवं कलनविधि का विश्लेषण, आंकड़ा संरचना, पंक्ति चित्ति (स्टैक) का आधार।

(ख) आंकड़ा संसाधन:—अंकोय संख्या पद्धति, संख्या रूपांतरण, पूर्णकों का द्विआधारी निरूपण, वास्तविक संख्याओं का द्विआधारी निरूपण। तार्किक अवयन जैसे संप्रतीक, क्षेत्र अभिलेख, सेविका आंकड़ा प्रेषण एवं संसाधन के मूल त्रुटि नियंत्रण एवं त्रुटि, संसाधन सहित।

आंकड़ा संचय प्रबन्ध:— आंकड़ा संसाधन प्रबन्ध, आंकड़ा संचय एवं संचिका संगठन एवं संसाधक (क) प्रत्यक्ष (ख) अनुक्रमिक (ग) सूचित अनुक्रमिक संचित्र। ग्राहक सेवित वास्तुकला की अवधारण। अंकोय संचय प्रशासक। डी वी एम एस प्रक्रिया सामग्री का पर्यवलोकन

परिशिष्ट—2

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त व्यौगा :

1. जो उम्मीदवार सफल होंगे। उनकी नियुक्ति इन सेवाओं के ग्रेड-4 में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आधरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यक्रमालिका की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

3. परिवेक्षा की अवधि या उसकी बढाई हुई अवधि को समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं हैं तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परिवेक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उसके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार हैं :—

(क) भारतीय आर्थिक सेवा

स्तर/पद	वेतनमान
(i) उच्च प्रशासनिक ग्रेड	₹. 22400-525-24500
(ii) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	₹. 18400-500-22400
(iii) (नान-फंक्शनल चयन ग्रेड निदेशक/अपर आर्थिक सलाहकार)	₹. 14300-400-18300
(iv) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड उप आर्थिक सलाहकार/ संयुक्त निदेशक	₹. 12000-375-16500
(v) वरिष्ठ समय वेतनमान सहायक आर्थिक सलाहकार/ उप निदेशक	₹. 10000-325-15200
(vi) कनिष्ठ समय वेतनमान सहायक निदेशक/ अनुसंधान अधिकारी	₹. 8000-275-13500

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1. उच्च प्रशासनिक ग्रेड	₹. 22400-525-24500
2. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	₹. 18400-500-22400
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (₹. 14300-400-18300 के वेतनमान में नान फंक्शनल चयन ग्रेड सहित)	₹. 12000-375-16500
4. वरिष्ठ समय वेतनमान	₹. 10000-325-15200
5. कनिष्ठ समय वेतनमान	₹. 8000-275-13500

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय-गमय पर यथा संशोधित भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकी में वा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकी में वा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा उसको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकारी संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. इस सेवा के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भवित्व निधि की शर्तें वही हैं जो समान्य भवित्व निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमाकाली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ ही जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट—3

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[1. ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं ? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षक (मेडिकल एक्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी है।

नोट : चिकित्सा बोर्ड, शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए आरक्षित पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की डॉक्टरी परीक्षा करते समय अशक्तता ग्रस्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण प्रतिभागिता) अधिनियम, 1995 के संगत प्रावधानों को, जिसमें अनुशेय शारीरिक विकलांगता की सीमा परिभाषित की गई है, ध्यान में रखेगा।

2. (क) भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

(ख) चिकित्सा परीक्षा दो भागों में आयोजित की जायेगी अर्थात् भाग-। जिसमें छाती के रेडियोग्राफिक परीक्षण (एक्स-रे परीक्षण) को छोड़कर सम्पूर्ण चिकित्सा सम्मिलित है मैडिकल बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएगी और भाग-॥ जिसमें रेडियोग्राफिक परीक्षण (छाती का एक्स-रे परीक्षण) सम्मिलित होगा। भाग-॥ परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों की की जाएंगी जो परीक्षण के आधार पर सफल घोषित किए जाएंगे।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आयु कद और छाती के धेरों के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के बारे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही है वह उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा। फिर भी केवल उन उम्मीदवारों की छाती का एक्स-रे किया जाएगा जिन्हें चिकित्सा परीक्षण के भाग-॥ के लिए मैडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के निदेश दिए जाएंगे।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टेट्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब, और कन्धे मापदंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएंगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैंड लेवल) हारिंजटल बार सेटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका.—इस प्रकार उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं

सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शॉल्डर ब्लेड) निम्न कोणों (इन्फरियर एंगलस) से लगा और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिंजंटल लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा। 84-89, 86-93 आदि माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट : अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क्र) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मैंडिकल बोर्ड या अन्य मैंडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (वेसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी आँख खराब आँख (ठीक की हुई	अच्छी आँख खराब आँख (ठीक की हुई दृष्टि)
6/9	6/9
या	
6/9	6/12
जे-I	जे-II

(घ) माश्वांपिया फण्डिस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य-कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (क्रॉनेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रत्तौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) — साधारणतया रत्तौंधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन 'ए' की कमी के कारण और (2) रेटीना के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनिटिस फिगमैटीसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है। साधारणतया

छाटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस श्रेणी का रोगी प्रैदृष्ट होता है और खुराक की कमी से पौँडित नहीं होता है। सरकार में ऊँची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेष तथा जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में अधिक समय लगता है, और विशेष प्रबंध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता सम्भव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रत्तौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या और उनकी इयूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आँख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन) —

- (१) आँख की उस बीमारी की या बढ़ती हुई अपवर्त न त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिएक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।
- (२) भैंगापन (स्कविट) : तकनीकी सेवाओं में जहां द्विनेत्री (बइनोकलर) दृष्टि आनवाय हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भैंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भैंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।
- (३) एक आँख: यदि किसी व्यक्ति की एक आँख अथवा यदि उसकी एक आँख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आँख की मंद दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरी बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का उभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पर्सों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आँख :

(१) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे. 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना ही बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टर से अधिक न हो।

(२) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।

(३) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित थे।

बशर्ते कि बोर्ड को यह सामान्य हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कानेकट लेन्स—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा समय कानेकट लेन्स के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आँख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊँचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रैशर

ब्लड प्रैशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रैशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रैशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों के ब्लड प्रैशर आकलन करने में 110 में आधी-आधी जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें : सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. के ऊपर के सिस्टालिक प्रैशर की ओर 90 एम.एम. से ऊपर डायस्टालिक प्रैशर को संटिध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैशर त्रुद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यिक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय को एकसरे और विद्युत हृदय लेखी (इलेक्ट्रोकार्मिग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (किलेरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित यारे वाले दबावमापी (मर्करी मैनेमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी यैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कन्धे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर इसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रकट धमनी (वेकिअल आर्टरी) को दबाकर हूंड़ा जाता है तब तक उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है। वह सिस्टालिक प्रैशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई-सी लुप्त प्रायः हो जाएं, वह डायस्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इसमें रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकालकर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ) से हवा निकलने

पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर युन: प्रकट हो जाती हैं। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घोतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाए अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाएं तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है एक ग्लूकोज में अमधुमेही (नान-डायबिटिक) हो और बोर्ड के साथ मेडिकल के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल ट्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए, उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का परीक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया आपरेशन या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है :—

(1)

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।

(2)

यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।

(1)	(2)	(1)	(2)
(2) दोनों कानों में बहरापन या प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रव्ययंत्र (हैंडिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक स्पीच फ्रीबैंसीज में बहरापन 30 डैसीबेल तक तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है। (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेस्वरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य अयोग्य कान की शल्प चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थाइ रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है।	(6) नसापट को हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनीडिफारमिटी) रहित अथवा उससे नाक की प्रदाहक/एलर्जिक दशा।	(1) प्रत्येक मामले में परिस्थिति के अनुसार निर्णय किया जाएगा। (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अपसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
(3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेस्वरेन में छिद्र।	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेस्वरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य अयोग्य कान की शल्प चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थाइ रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है। (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य। (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	(7) टांसिल्स और/या स्वर यंत्र (लेरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(1) टांसिल और/या स्वर यंत्र (लेरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
(4) कान के एक ओर से/ दोनों ओर से मस्टायड केविटी से सब-नार्मल श्रवण।	(1) किसी एक कान के सामान्य रूप के एक ओर से मस्टाइड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टाइड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य। (2) दोनों ओर से मस्टाइड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। यदि किसी भी कान श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डैसीबेल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।	(9) आस्ट्रैक्लिरोंसिस	(1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य। (2) दुर्दम्य ट्यूमर अयोग्य। श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डैसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
(5) अवहते रहने वाला कान आपरेशन किया या बिना आपरेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थाइ रूप से अयोग्य।	(10) कान, नाक, गले (ई.एन.टी.) (11) नेजल पोली। (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए ज़रूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)। (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं। उसका दिल और फेफड़े ठीक है या नहीं। (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं। (च) उसे रज्वर है या नहीं। (छ) उसे हाइड्रोसील, बढ़ी हुई बेरिकोसील, बेरिकाजिशिरा (बन) या बवासीर है या नहीं। (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।	(1) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य। अस्थाइ रूप से अयोग्य। (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए ज़रूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)। (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं। उसका दिल और फेफड़े ठीक है या नहीं। (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं। (च) उसे रज्वर है या नहीं। (छ) उसे हाइड्रोसील, बढ़ी हुई बेरिकोसील, बेरिकाजिशिरा (बन) या बवासीर है या नहीं। (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

- (ज) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ज) कोई जन्म-जात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमज़ोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेशन) रोग है या नहीं।

11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असामानताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्हें संबंधित भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में अंतिम रूप से सफल घोषित किया जाता है।

अध्यर्थी के स्वास्थ्य के बारे में केन्द्रीय स्थाई चिकित्सा मण्डल (संबंधित अध्यर्थी को चिकित्सा परीक्षा का संचालन करने वाला) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

12. सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उम्प्रयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है। उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विप्रयन (ऐवरेशन) से पीड़ित होने का सन्देह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देना चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुमार रु. 50 का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापिस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जायेंगे। शेष दूसरों के बारे में यह जब्त कर लिया जायेगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 2 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के बारे में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में कोई यात्रा के लिए कोई यात्रा तथा दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्यविभाग)/सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाड़िली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाये कि जहां प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे : (1) एक कार्य-चिकित्सक, (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के संदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में और भारत के बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य हैं या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामले में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किंतु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामले में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औपध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति अधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया अधिक से अधिक 6 महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

निश्चित अवधि के बाद अब दुबारा परीक्षा में तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए, उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लागी हुई घोषणा (डिक्लोरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—————
—————(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—————

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है। 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हाँ' में हो तो उस जाति का नाम बताएं।

(ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुककर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रन्थियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दम, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रूमेटिज्स, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शर्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो/हुई है।

4. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरा दें :—

यदि पिता	मृत्यु के समय	आपके कितने जीवित हो तो	आपके कितने जीवित होंगे
उसकी आयु	और मृत्यु का कारण	भाईजीवित होंगे	भाइयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
और स्वास्थ्य			की आयु और मृत्यु का कारण
की अवस्था			

1.

2.

3.

यदि माता	मृत्यु के समय	आपकी कितनी जीवित हो तो	आपकी कितनी जीवित होंगे
उसकी आयु	और मृत्यु का कारण	माता की आयु बहनें जीवित होंगे	भाईयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु
और स्वास्थ्य			के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
की अवस्था			

1.

2.

3.

6. क्या इसके पहले मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा ली है?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइए कि सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा ली गई थी?

8. परीक्षा लेने वाला अधिकारी कौन था?

9. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

11. उपर्युक्त सभी उत्तर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही हैं तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में की गई विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अंतर्गत किसी भी कार्रवाई का भागी होऊंगा। झूठी सूचनाएं देना व किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार के अंतर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसी जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

उपस्थिति में हस्ताक्षर.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

प्रपत्र-1

..... (उम्मीदवार का नाम)
की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा बीच का कम कम पोषण पतला औसत मोटा

कद जूते उतार कर : वजन :

अल्पतम वजन कब था?

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान :

छाती का धेरा—

(1) पूरे सांस खींचने पर :

(2) पूरे सांस निकालने पर :

2. त्वचायें कोई जाहिर बीमारी

3. नेत्र :

(1) कोई बीमारी

(2) रत्तेंधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्षणता (विजुअल एक्विटी)

(6) फण्डस की जांच

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना चश्मे से	चश्मे की क्षमता गोल वर्तन एंक्सप्र
दूर की नजर—	दा. ने.	
	बा. ने.	
पास की नजर—	दा. ने.	
	बा. ने.	
4. कान : निरीक्षण	सुनना	
	दायां कान	
	बायां कान	
5. ग्रंथियां	थाइराइड	
6. दांतों की हालत		
7. श्वसन तंत्र (रेस्पीरेटरी सिस्टम) जगा शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा दें।		
8. परिसंचरण तंत्र (सकर्तुलैटरी सिस्टम)		
(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति-इट :—		
खड़े होने पर		
25 बार कुदाए जाने पर		
कुदाए जाने के दो मि. बाद		
(क) ब्लड ब्रैशर	सिरस्टालिक	
डायस्टालिक	
9. उदर (पेट) : थेर	मासांशमहायाता	
हरिया—		
(क) दबाकर मालूम पड़ना/लिवर		
तिल्ली	गुर्दे	
द्वयमर		
(ख) रक्तांश		
भगन्दर		
10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मार्नर्मिक अव्यक्तता भगन्दर का संकेत		
11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)		
असमानता		
12. जलन मूत्र तंत्र (जैनियो युरिनरी सिस्टम) हाइड्रोमिल वरिकोसिल आदि का कोई संकेत।		
मूत्र परीक्षा—		
(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?		
(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)		
(ग) एलरूमन		
(घ) शक्कर		
(ङ) कास्ट		
(च) कोशिकाएं (सैल्स)		

13. छाती की जांच एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट।
 14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है कि वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट : महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (क) क्या वह भारतीय आर्थिक सेवा/भारतीय सांखिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निन्तर कार्य के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ?
 (ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

टिप्पणी 1 : बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) स्वस्थ
 (ii)के कारण अस्वस्थ
 (iii)के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार की छाती का एक्स-रे परीक्षण नहीं किया गया है, इस कारण उपर्युक्त निष्कर्ष अंतिम नहीं है और छाती के एक्स-रे परीक्षण की रिपोर्ट के अध्यधीन है।

स्थान : अध्यक्ष
 हस्ताक्षर सदस्य
 सदस्य
 मेडिकल बोर्ड की मुहर

प्रपत्र-II

उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम :
 (बड़े अक्षरों में)
 2. रोल नम्बर :

उम्मीदवार के हस्ताक्षर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

मेडिकल बोर्ड द्वारा भरे जाने के लिए

टिप्पणी : बोर्ड को उम्मीदवार की छाती के एक्स-रे परीक्षण की जांच रिपोर्ट निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग के अंतर्गत अपने निष्कर्ष रिकार्ड करना चाहिए।

उम्मीदवार का नाम
 (i) स्वस्थ
 (ii)के कारण अस्वस्थ
 (iii)के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ
 स्थान : अध्यक्ष
 हस्ताक्षर सदस्य
 सदस्य
 मेडिकल बोर्ड की मुहर

**MINISTRY OF STATISTICS AND PROGRAMME
IMPLEMENTATION
RULES**

New Delhi, the 11th June, 2005

No. 11013/1/2005-ISS.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 2005 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following services are published with the concurrence of the Ministry of Finance, D/o Economic Affairs for general information.

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate may compete for any one of the Service only viz. the Indian Economic Service or the Indian Statistical Service, for which he/she is eligible in terms of the Rules.

5. A Candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) & (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him/her by the Government of India.

6. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 year and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 2005 i.e. he/she must have been born not earlier than 2 January, 1975 and not later than 1st January, 1984.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable.—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years in the case of candidate belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.
- (iii) up to a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st December, 1989;
- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 2005 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January 2005 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (vi) up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military service as on 1st January, 2005 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;
- (vii) up to a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and orthopaedically disabled persons.

NOTE 1.—Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of rule 6 (b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons

domiciled in the State of J & K, blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age relaxation under both the categories.

NOTE 2 —The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE 3 —The age concession under Rule (6) (b) (v) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs, who are released on their own request.

NOTE 4 —Notwithstanding the provisions of age-relaxation under Rule 6(b) (vii) above, a physically disabled candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirement of physical and medical standard for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically disabled candidates by the Government.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE
LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE
RELAXED**

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service Records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction include the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1 —Candidate should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/ Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2 —Candidates should also note that once date of birth has been claimed by them and entered in records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently (or at any other Examination of the Commission) on any grounds whatsoever.

7. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a Post Graduate Degree in Economics/ Applied Economics/Business Economics/Economics and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a Post-Graduate Degree in Statistics/ Mathematical Statistics/Applied Statistics from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or a foreign University approved by the Central Govt. from time to time.

NOTE 1 —Candidates who have appeared at an examination, the passing of which would render them eligible to appear at this examination, but have not been informed of the result, may apply for admission to the examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce the proof of having passed the requisite qualifying examination along with the detailed application form which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the results of the written part of the examination.

NOTE 2 —In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has none of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he/she has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his/her admission to the examination.

NOTE 3 —A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a Foreign University which is not recognised by the Govt. may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination, their application will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

10. The decision of the commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his/her eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If no verification, at any time, before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his/her candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his/her candidature for the Examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) being in possession of or using any cellular/mobile phone, pager or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or
- (xii) Violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xiii) attempting to commit, or as the case may be.

abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as the he/she may wish to make in that behalf ; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him/her into consideration;

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination for each service is may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva-voce* :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the other Backward Classes may be summoned for *viva-voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *Viva-voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

- 14. (i) After the interview, the candidates for each Service will be arranged by the Commission in order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order, so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination, shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.
- (ii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may, to the extent of the

number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes, be recommended by the commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service (s) :

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to any relaxations/concessions in the eligibility or selection criteria at any stage of the examination shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

15. The prescribed qualifying standard will be relaxable at the discretion of the commission at all the stages of examination in favour of physically disabled candidates in order to fill up the vacancies reserved for them. In case, however, the physically disabled candidates get selected on their own merit in the requisite number at the qualifying standards fixed by the Commission for General, SC, ST, and OBC category candidates, extra physically disabled candidates i.e. more than the number of vacancies reserved for them, will not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his/her character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Services(s).

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribed, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo Part I of the medical examination and the candidates who are declared finally successful on the basis of this examination, may be required to undergo Part II of the medical examination. the details of Part I and II of the medical examination are given in the Appendix III to these Rules. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for the medical examination except in the case of appeal.

Note.—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled Ex-Defence Service personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Services.

19. For being considered against the vacancies reserved for them, the physically disabled persons should have disability of forty per cent (40%) or more. However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physical requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned Service.—

CODE	PHYSICAL REQUIREMENTS
F	1. Work performed by manipulating (with Fingers.).
PP	2. Work performed by pulling and pushing
L	3. Work performed by lifting.
KC	4. Worked performed by kneeling and Crouching
B	5. Work performed by bending.
S	6. Work performed by sitting (on bench or chair)
ST	7. Work performed by standing.
W	8. Work performed by walking.
SE	9. Work performed by seeing.
H	10. Work performed by hearing/speaking
RW	11. Work performed by reading and writing.

The functional classification in their case shall be one or more of the following, consistent with the requirements of the concerned Services—

FUNCTIONAL CLASSIFICATION

CODE	FUNCTIONS
BL	1. Both legs affected but not arms.
BA	2. Both arms affected— (a) impaired reach (b) weakness of grip.
BLA	3. Both legs and both arms affected.
OL	4. One leg affected (R or L) (a) impaired reach (b) weakness of grip (c) ataxic.

QA	5.	One arm affected (R or L) —do—
BH	6.	Stiff back and hips (cannot sit or stoop)
MW	7.	Muscular Weakness and limited physical endurance
B	8.	The blind
PB	9.	Partially blind
D	10.	The deaf
PD	11.	Partially deaf.
20. No person :—		

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,
 shall be eligible for appointment to service(s) :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. Brief particulars relating to the Service(s) to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

A. K. SAXENA, Jt. Secy.

APPENDIX-I

SCHEME OF EXAMINATON

SECTION-I

The examination shall be conducted according to the following plan—

Part I—Written examination carrying a maximum of 1000 marks in the subjects as shown below.

Part II—*Viva voce* of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks.

PART-I

The subjects of the written examination under Part-I the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

A. Indian Economic Service

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
1.	General English	100	3 hrs.
2.	General Studies	100	3 hrs.
3.	General Economics-I	200	3 hrs.
4.	General Economics-II	200	3 hrs.
5.	General Economics-III	200	3 hrs.
6.	Indian Economics	200	3 hrs.

B. Indian Statistical Service

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
1.	General English	100	3 hrs.
2.	General Studies	100	3 hrs.
3.	Statistics-I	200	3 hrs.
4.	Statistics-II	200	3 hrs.
5.	Statistics-III	200	3 hrs.
6.	Statistics-IV	200	3 hrs.

Note :—The details of standard and syllabi for the examination are given in Section II below.

2. The question papers in all subjects will be of Conventional (essay) type.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, they will be allowed the help of a scribe to write the answer for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever required, SI Units will be used.

10. Candidates will be allowed the use of Scientific (Non-Programmable type) Calculators at the examination. Programmable-type calculators will, however, not be allowed and the use of such calculators shall tantamount to resorting to unfair means by the candidates. Loaning or interchanging of calculators in the Examination Hall is not permitted.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

PART-II

Viva-voce—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the service for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general

and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his/her subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his/her own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of a strict cross-examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidates mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

SECTION II

STANDARD & SYLLABI

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workman like use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

GENERAL STUDIES

General knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Indian Polity including the political system and the Constitution of India, History of India and Geography of a nature which a candidate should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS-I

1. Theory of Consumer's Demand : Cardinal Utility Analysis, Indifference Curve Analysis—Income and Substitution Effects, the Slutsky theorem—Revealed Preference Approach.

2. Theory of Production—Factors of Production—Production Functions—Forms of Production Function :

Cobb-Douglas, CES and Fixed Co-efficient type—Laws of Return—Returns to scale and returns to a factor—Partial equilibrium versus general equilibrium approach—Equilibrium of the firm and the industry.

3. Theory of Value : Pricing under various forms of market organisation like perfect competition, monopoly, monopolistic competition and oligopoly. Public Utility Pricing : Marginal cost pricing Peak load pricing.

4. Theory of Distribution : Macro-distribution theories of Ricardo, Marx, Kalecki, Kaldor—Neo-classical approach : Marginal Productivity theory of determination of factor prices—factor shares and the 'adding up' problem—Euler's theorem—Pricing of factors under imperfect competition.

5. Welfare Economics—Inter-personal comparison and aggregation problem, divergence between social and private welfare, compensation principle, Pareto optimality, Social choice and other recent schools, including Coase and Sen.

6. Concept of national income and social accounting—measurement of national income—Inter-relationship between three measures of national income in the presence of the Government sector and international transactions. Measuring Economic Welfare—Socio-economic indicators approach : PQLI and H.D. Index.

7. Theory of Employment, Output and inflation—the Classical and neo-classical approaches—Keynesian theory of Employment—Post-Keynesian developments—the Inflationary gap—Demand-Pull versus Cost-push Inflation—the Phillip's Curve and its policy implications.

8. Mathematical methods in Economics : Derivatives—basic rules of differentiation and its applications to economic functions—Optimisation (concept)—Matrices and their applications in Economics, Input-Output model (concept) Linear programming and its applications.

GENERAL ECONOMICS-II

1. Concept of economic growth and development and their measurement—Characteristics of less developed countries (LDCs) and obstacles to their development—growth, poverty and income distribution—Theories of growth Classical Approach—Adam Smith, Marx and Schumpeter—Neo-Classical Approach: Robinson, Solow, Kaldor and Harrod-Domar—Theories of Economic Development: Rostow, Rosenstein-Rodan, Nurkse, Hirschman, Leibenstein and Arthur Lewis, Amin and Frank (Dependency school); respective role of the State and the Market.

2. International Economics : Gains from International Trade, terms of trade, trade, policy, international trade and economic development—Theories of International Trade

Ricardo, Haberler, Heckscher-Ohlin and Stolper-Samuelson,—Theory of Tariffs—Regional Trade Arrangements.

3. Balance of Payments : Disequilibrium in Balance of Payments, Mechanism of Adjustments, Foreign Trade Multiplier, Exchange Rates, Import and Exchange Controls and Multiple Exchange Rates.

4. Global institutions : UN agencies, World Bank, IMF and WTO. Multinational Corporations.

5. Money and Banking : its functions and value—Quantity Theory of Money : Cash Transaction Approach and the Cash Balances Approach, Friedman's Restatement of the Quantity Theory of Money—the instruments of monetary control—the neutrality of money—the money multiplier.

6. Statistical and Econometric methods : averages, dispersions, correlation and regression, time series, index numbers, sampling and survey methods, testing of hypotheses, simple non-parametric tests, drawing of curves based on various linear and non-linear functions; least square methods other multivariate analyses (only concepts and interpretation of results) : ANOVA, factor analysis, principal component analysis, discriminant analysis. Income distributions; Pareto law of distribution—log-normal distribution—measurement of income inequality—Lorenz Curve and Gini co-efficient.

GENERAL ECONOMICS-III

1. Environmental Economics : Club or Rome, Founex reports, Stockholm and Rio Earth summit reports, Convention on Biodiversity, Montreal Protocol on CFC, global warming: externalities, public goods, economic implication of various types of environmental degradation-air, noise, water pollution and exhaustion of non-renewable resources; resources accounting, biological wealth and its depletion or accretion as a part of GDP estimates and sustainable development; remedies—regulations, taxes, market based solutions such as privatisation and pollution permits.

2. Urbanisation and migration—Lewis, Todaro; informal sector, urban labour market, urban poverty.

3. Project Appraisal : Criteria for project choices : Internal rate of return net present value and benefit—cost ratio—social rate of discount—shadow, prices of capital, unskilled labour and foreign exchange. Use of project appraisal methods in India.

4. Financial and Capital Markets : Finance and economic development—financial markets—stock market, gilt market, foreign exchange market—banking and insurance.

5. Fiscal policy and its objectives—limitation of fiscal policy—theories of taxation and expenditure—objectives and effects of public expenditure—effects and incidence of taxation—deficit financing—theory of public debt, debt management, complementarity of monetary and fiscal policy with debt.

6. State, Market and Planning : concept and types of planning—rationale of planning in a developing economy—limitations of planning, economics of regulation, decentralised planning.

INDIAN ECONOMICS

1. History of development and planning—alternative development strategies—goal of self-reliance based on import substitution and the post-1991 globalisation strategies based on stabilisation and structural adjustment packages.

2. (a) Decentralised Planning Panchayat experience—constitutional obligations, Balwantrai Mehta Committee, Ashok Mehta Committee and other reports, Financial aspects of 73rd and 74th constitutional amendments.

(b) Union-State financial relations : Constitutional provisions relating to fiscal and financial powers of the states, financial aspect of Sarkaria Commission Report, Finance Commissions and their formulae for sharing taxes.

3. Poverty, Unemployment and Human Development during plan period—Appraisal of Government measures—India's human development record in global perspective.

4. Agriculture and Rural Development : Strategies including those relating to technologies and institutions : land relations and land reforms, rural credit, modern farm inputs and marketing—price policy and subsidies; commercialisation and diversification. Rural development programmes including poverty alleviation programmes : development of economic and social infrastructure.

5. India's experience with Urbanisation and Migration—Different types of migratory flows and their impact on the economies of their origin and destination, the process of growth of urban settlements : urban strategies.

6. Industry : Strategy of industrial development—Industrial Policy Reform: Reservation Policy relating to small scale industries. Sources of industrial finances—bank, share market, insurance companies, pension funds, non-banking sources and foreign direct investment; role of foreign capital for direct investment and portfolio investment. Public sector reforms, privatisation and disinvestment.

7. Labour : Employment unemployment and under-employment, industrial relations and labour welfare—strategies for employment generation—Urban labor market and informal sector employment; Report of National

Commission on labour, Social issues relating to labour e.g. Child labour, Bounded labour.

8. Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade—composition, direction and organisation of trade : recent changes in trade policy; balance of payments, tariff policy, exchange rate and WTO requirements.

9. Money and Banking : Organisation of India's money market—changing roles of the Reserve Bank of India, commercial banks, development finance institutions, foreign banks and non-banking financial institutions.

10. Budgeting and Fiscal Policy : Tax, expenditure, budgetary deficits, debt and fiscal reforms. Black money and Parallel economy in India—definition, estimates, genesis, consequences and remedies.

STATISTICS-I

(i) Probability

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Class of events and probability measure. Laws of total and compound probability. Probability of movements out of nt. Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, logonormal and compound Poisson distribution, joint Distributions, conditional distributions. Distributions of functions of random variable Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Borel 0-1 law; Kolmogorov's 0—1 law. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequinalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables. Conditional expectation and Martingales.

(ii) Statistical Methods.

(a) Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram, Frequency distribution. Measures of location dispersion, skewness and kurtosis. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate normal distribution. Regression—Linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

(b) Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of X , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them. Small sample tests.

(c) Non-parametric tests—Goodness of fit, sign, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz and Kolmogorov-Smirnov. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median. Concept of Asymptotic relative efficiency.

(iii) Numerical Analysis

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton, Divided difference, Gauss and Stirling, Euler-Maclaurin's Summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant coefficients.

STATISTICS-II

(i) Linear Models

Theory of linear estimation Gauss-Markoff setup. Least square estimators. Use of g-inverse, analysis of one-way and two-way classified data-fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

(ii) Estimation

Characteristics of good estimator. Estimation methods of maximum likelihood minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds. Re-sampling, Bootstrap and Jackknife. (iii) Hypothesis testing and Statistical Quality Control.

(a) Hypothesis testing : Simple and composite hypothesis. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test Likelihood ratio test. Wald's SPRT, OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

(b) Statistical quality Control : Control Charts for variables and attributes; Acceptance Sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential Sampling plans; Concepts of AOQL and ATI; Acceptance Sampling by variables—use of Dodge—Romig and other table.

(iv) Multivariate Analysis

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of hotelling's T^2 statistics. Mahalanobis's D^2 Statistics and their use in testing. Partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS-III

(i) Sampling Techniques

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Role of NSS organization. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and Variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster, double, multiphase, multistage and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

(ii) Design and Analysis of Experiments

Principles of design of experiment. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and Latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iii) Economic Statistics

Components of a time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engle curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table. Role of CSO.

(iv) Econometrics

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-square, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variable model. Simultaneous equation models—Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

STATISTICS-IV

(i) Stochastic Processes

Specifications of a Stochastic Process, Markov chains, classification of states, limiting probabilities; stationary distribution, Random walk and Gambler's ruin problem. Poisson process. Birth and death process; Applications to Queues—M/M/1 and M/M/C models. Branching Process.

(ii) Operations Research

Elements of linear programming. Simplex procedure. Principle of duality. Transport and assignment problems. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(iii) Demography and Vital Statistics

The life table, its constitution and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection method including logistic curves fitting. Decennial population census in India.

(iv) Computer Application and Data Processing

(a) Computer Application

Computer system concepts : Computer system components and functions. The Central Processing unit, Main memory. Bit, Byte, word, Input/Output Devices, Speeds and Memory capacities in computer systems.

Software concepts : Overview of Operating Systems, types and Functions of Operating System, Applications software, Software for multi-tasking, multi-programming, Batch Processing Mode, Time sharing mode, concept of System Support Programme, Overview of Existing Software packages on Word Processing and Spreadsheets.

Overview of an Application Specific Programme : Flow charts, Basics of Algorithm, Fundamental of design and analysis of Algorithm; Basics of data structure, Queue, stack.

(b) Data Processing

Data Processing : Digital Number System, Number conversions, Binary representation of integers, Binary representation of real numbers, Logical Data element like character, fields, records, files, Fundamentals of data transmission and processing including error control and error processing.

Data base management : Data resource management. Data base and file organisation and processing. (a) Direct(b) Sequential, (c) Indexed Sequential files. Concepts of Client Server architecture. Data Base Administrator. An overview of DBMS software.

APPENDIX-II

Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination.

1. Candidates selected for appointment to either of the two services will be appointed to Grade IV of the Services on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Services to which the recruitment is being made are as follows:

(A) Indian Economic Service

Level/Post	Pay Scale
(i) Higher Administrative Grade	Rs. 22400-525-24500
(ii) Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
(iii) (Non-Functional Selection Grade Director/Addl. Economic Adviser	Rs. 14300-400-18300
(iv) Junior Administrative Grade Dy. Economic Adviser/Jt. Director	Rs. 12000-375-16500
(v) Senior Time Scale Asstt. Economic Adviser/ Dy. Director	Rs. 10000-325-15200
(vi) Junior Time Scale Asstt. Director/Research Officer	Rs. 8000-275-13500

(B) Indian Statistical Service

Level/Post	Pay Scale
1. Higher Administrative Grade	Rs. 22400-525-24500
2. Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
3. Junior Administrative Grade (Inclusive of a Non-Functional Selection Grade in the Scale of Rs. 11300-300-18300)	Rs. 12000-375-16500
4. Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
5. Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the Provisions of Indian Economic Service/Indian statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service, leave and pension, etc. for officers of the Service will be governed by the rule applicable to members of others Central Civil Services Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Service) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX-III

**REGULATIONS RELATING TO THE
PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

[1. These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

Note.—“The Medical Board while conducting medical examination of the candidates who have applied against the posts reserved for physically disabled category will keep the relevant provisions of the Persons with Disability (Equal Opportunity, Protection of Right and Full Participation) Act, 1995 wherein if the extent of permissible physical disability has been defined.”

2. (a) The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

2. (b) The medical examination shall be conducted in two parts, i.e. Part I which shall consist of the entire medical examination which the medical board may prescribe for a candidate, except the Radiographic Examination of the chest (X-ray test) and Part II which shall consist of Radiographic Examination (X-ray test of the chest). The Part II shall be conducted only in respect of the candidates who have been declared finally successful on the basis of the examination.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth

the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

However, the X-ray of the chest will be done in respect of only such candidates who are directed to appear before the Medical Board for Part II of the medical examination.

3. The candidates height will be measured as follows :—

He/she will remove his/her shoes and be placed against the standard with his/her feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He/she will stand erect without rigidity and with the heels calve buttocks and shoulders touching the standard. The chain will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimeters and part of a centimeter to halves.

4. The candidates chest will be measured as follows :—

He/she will be made to stand erect with his/her feet together and to raise his/her arms over his/her head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the ape. The candidate will then be directed to take deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimeter 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimeters should not be noted.

N. B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighted, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye (Corrected vision)	Better eye (Corrected vision)	Worse eye (Corrected vision)
6/9 or 6/9	6/9 or 6/12	J-1	J-1

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) Field of Vision.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) Night Blindness.—Broadly there are two types of night blindness : (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis Pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by the large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography), are time consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) Ocular condition, other than visual acuity.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) Squint.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) One eye.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is ambliopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of

death. Such vision is not necessary for many civil posts. The Medical Board may recommend as fit such person provided the normal eye has :—

(i) 6/6 distant vision and J-I near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required :

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) **Contract Lenses.**—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure, is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury monometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of clothes bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard or at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error on reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. It expect for the glycosuria the Board finds the candidate confirm to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A women candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :

(a) That the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit or non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibels in higher frequency.		symptoms—Temporarily unfit.
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical job if the deafness is up to 30 decibels in speech frequency of 1000 to 4000.	(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
(3) Perforation tympanic membrane of central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below : (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation in both ears—Temporarily Unfit.	(8) Benign or locally malignant tumours of the ENT	(i) Benign tumours—Temporarily Unfit. (ii) Malignant tumours—Unfit.
(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(9) Otosclerosis (10) Congenital defects of ear, nose or throat.	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. (i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
(5) Persistently/discharging ear operated/unoperated.	Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.	(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit. (b) that his speech is without impediment; (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele a severe degree of varicocele, varicose veins or piles; (h) that his limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints; (i) that he does not suffer from any inveterate skin-disease; (j) that there is no congenital malformation or defect; (k) that he does bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution; (l) that he bears marks of efficient vaccination; and (m) that he is free from communicable disease.
(6) Chronic inflammatory allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual case. (ii) If deviated nasal septum, is present with	11. Radiographic examination of the chest for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will	

be restricted to only such candidates who are declared finally successful at the concerned Indian Economic Service/Indian Statistical Service Examination.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.

12. In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible to the journey performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Finance Deptt. of Economic Affairs, M/O Statistics and Programme Implementation as the case may be on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical examiner:—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of

the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a Physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board. In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment, (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full
(in block letters)
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is

distinctly lower? Answer
Yes' or 'No' and if the
answer is 'Yes' state the name
of the race.....

(b) Have you ever had small pox,
intermittent or any other fever
enlargement or suppuration of
glands, spitting of blood,
asthma, heart disease, lung
diseases, fainting attacks,
rheumatism appendicitis.....

or

Any other disease of accident
requiring confinement to bed
and medical or surgical treat-
ment?.....

4. Have you suffered from any
form of nervousness due to
overwork or any other cause

5. Furnish the following particulars concerning your
family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at death and cause of death
1.			
2.			
3.			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at death and cause of death
1.			
2.			
3.			

6. Have you been examined
by a Medical Board before?
7. If answer to above is 'yes'
please state what Service/
Services, you were examined
for?.....
8. Who was the examining
authority?

9. When and where was the
Medical Board held?

10. Results of, the Medical
Board's examination, if
communicated to you or
if, known.

11. All the above answers, are to the best of my
knowledge & belief, true and correct and I shall be liable
for action under law for any, material infirmity in the
information furnished by me, or suppression of relevant
material information. The furnishing of false information or
suppression of any factual information would be a
disqualification and is likely to render me unfit for
employment under the Government. If the fact that false
information has been furnished or that there has been
suppression of any factual information comes to notice at
any time during my service, my services would be liable to
be terminated.

Candidate's Signature
Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

PROFORMA-I

(b) Report of the Medical Board on (name of
candidate) physical examination.....

1. General development.....
Good..... fair..... Poor..... Nutrition : Thin
..... Average..... Obese..... Height
(without shoes)..... weight..... Best
Weight..... When?..... any
recent change in weight?..... Temperature
.....

Girth of Chest :

- (1) After full inspiration.....
- (2) After full expiration.....
2. Skin any obvious disease.....
3. Eyes :
- (1) Any disease.....
- (2) Night blindness ,.....
- (3) Defect in colour vision.....
- (4) Field of vision.....
- (5) Visual acuity.....
- (6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cly.	Axis
Distant Vision				

R.E.

LE

Near Vision

R.E.

LE

4. Ears : Inspection..... Hearing : Right Ear..... Left Ear.....
5. Glands..... Thyroid.....
6. Condition of teeth.....
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs? If yes, explain fully.....
8. Circulatory System
- (a) Heart : Any organic lesions?..... Rate Standing..... After hopping 25 times..... 2 minutes after hopping.....
 - (b) Blood Pressure : Systolic..... Diastolic.....
9. Abdomen : Girth..... Tenderness Hernia.....
- (a) Palpable : Liver..... Spleen..... Kidneys..... Tumours.....
 - (b) Haemorrhoids..... Fistula.....
10. Nervous System Indication of nervous or mental disabilities.....
11. Loco-Motor System : Any abnormality.....
12. Genito Urinary System : Any evidence of varicocele, etc.
- Urine Analysis :
- (a) Physical appearance.....
 - (b) Sp. Gr.....
 - (c) Albumen.....
 - (d) Sugar.....
 - (e) Casts.....
 - (f) Cells.....
13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest.....
14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

Note : In case of female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should

be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respect for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service/Indian Statistical Service?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

Note (I) : The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit.....
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of.....

Note (II) : The candidate has not undergone chest X-ray test. In view of this, the above findings are not final and are subject to the report on chest X-ray test.

Place :

Date :

Chairman

Signature

Member

Member

Seal of the Medical Board

PROFORMA-II

Candidate's Statement/Declaration

1. State your Name :
(in block letters)

2. Roll No.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

To be filled-in by the Medical Board

Note : The Board should record their findings under one of the following three categories in respect of chest X-ray test of the candidate.

Name of the Candidate.....

- (i) Fit.....
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of.....

Place :

Date :

Chairman

Signature

Member

Member

Seal of the Medical Board